Amar Ujala 28-2-26

ट्रेड वॉर पर पेश किए विचार

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग ने प्लानिंग फोरम के सहयोग से इकोनोफोरिया 2026 का आयोजन किया। इस इंटर-कॉलेजिएट फेस्ट में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक राधिका सिंह रहीं, जबकि पीयू की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आयोजन अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन और प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ. रुचि शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

फेस्ट में विकसित भारत 2047 की रूपरेखा विषय पर पावरपॉइंट प्रस्तुति, इक्नॉमिक रिडल्स, एक्सटेम्पोर, क्विज, पोस्टर मेकिंग व ऐड मैड प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। संवाद

इकोनोफ़ोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट ''इकोनोफ़ोरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं

प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम 'विकसित भारत @2047 की रूपरेखा' रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। इसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई। क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। वहीं 'इको-तक्षरी' एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। 'ऐड मैड' प्रतियोगिता की थीम 'कंज्यूमरिज़्म बनाम मिनिमलिज़्म' रही। इसमें छात्रों ने अपने द्वारा कल्पित नवाचारी उत्पादों को निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रुचि शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों की मेहनत और पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के अमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

Arth Parkash 28-2-26

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफ़ोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट %%इकोनोफ़ोरिया 2026% का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुई। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम ÷विकसित भारत ऋ2047 की रूपरेखा÷ रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई।

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट इकोनोफ़ोरिया 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम विकसित भारत ञ्च2047 की रूपरेखा रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इकनॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट "इकोनोफोरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इकनॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम ह्वविकसित भारत @2047 की रूपरेखाह्व रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने

वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। इसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे।एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई।क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। वहीं इको-तक्षरी एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रुचि शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों की मेहनत और पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के अमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमों का मूल्यांकन पंजाब यूनिवर्सिटी से आए प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। पीपीटी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. नितिन और प्रो. सुमन ने किया। इको-तक्षरी का मूल्यांकन डॉ. सरगम वासु और डॉ. क्रिस बिंद्रा द्वारा किया गया। क्विज और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रो. हर्ष गांधार और प्रो. नीरज ने किया, जबकि ऐड मैड प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अमित और डॉ. रीना परती ने किया।

Dainik Savera Times 28-2-26

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच

फेस्ट इकोनोफ़ोरिया 2026 में हिस्सा लेते छात्र तथा (दाएं) प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए प्रिंसिपल।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 27 फरवरी : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट इकोनोफ़ोरिया 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक डीएचई राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों ने जिटल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रु चि शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों की मेहनत और पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के अमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। पीपीटी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. नितिन और प्रो. सुमन ने किया। इको-तक्षरी का मूल्यांकन डॉ. सरगम वासु और डॉ. क्रि स बिंद्रा द्वारा किया गया।

Divya Himachal 28.2.26

इकोनोफोरिया बना आर्थिक विचारों का मंच

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो — चंडीगढ़

सेक्टर -32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट इकोनोफोरिया 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इकोनॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय करवाया। इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं, पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डा. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कालेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डा. आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, प्लानिंग फोरम की संयोजक डा. रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरप्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम विकसित भारत/2047 की रूपरेखा रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इकोनॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई।

चंडीगढ़। होनहार छात्र को सम्मानित करते शिक्षक

इसमें मैक्रोइकोनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्तए मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई। क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया।

आयोजन

युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

इकोनोफ़ोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच

➪ एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफ़ोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट ''इकोनोफ़ोरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया।

फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम 'विकसित भारत ञ2047 की रूपरेखा' रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। इसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे।

एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई। क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। वहीं 'इको-तक्शरी' एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

इकोनोफोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट "इकोनोफ्रेरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के

मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया।

फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम 'विकसित भारत @2047 की रूपरेखा' रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। इसमें मैक्रोइकॉनॉमिक्स, माइक्रोइकॉनॉमिक्स, सार्वजनिक वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र तथा विकास एवं कल्याण अर्थशास्त्र से जुड़े प्रश्न शामिल थे।

एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई। क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। वहीं 'इको-तक्षरी' एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। 'ऐड मैड' प्रतियोगिता की थीम 'कंज्यूमरिज्म बनाम मिनिमलिज्म' रही। इसमें छात्रों ने अपने द्वारा कल्पित नवाचारी उत्पादों को निर्णायक मंडल के समक्ष प्रस्तुत किया।

अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रुचि शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्वयंसेवकों की मेहनत और पंजाब यूनिवर्सिटी के शिक्षकों के अमूल्य सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रमों का मूल्यांकन पंजाब यूनिवर्सिटी से आए प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। पीपीटी और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. नितिन और प्रो. सुमन ने किया। इको-तक्षरी का मूल्यांकन डॉ. सरगम वासु और डॉ. क्रिस बिंद्रा द्वारा किया गया। क्विज और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन प्रो. हर्ष गांधार और प्रो. नीरज ने किया, जबकि ऐड मैड प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अमित और डॉ. रीना परती ने किया।

Econophoria 2026 celebrates economic talent at GGDSD College

Two-day fest features quizzes, presentations, extempore, and policy-focused competitions

Chandigarh: The Department of Economics at Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, Sector 32, under the aegis of its Planning Forum, successfully organized its flagship inter-collegiate fest, Econophoria 2026, celebrating intellect, creativity, and economic discourse. The two-day event attracted approximately 110 students from 22 colleges across Punjab and Chandigarh, establishing itself as a premier platform for economic engagement in the region.The inaugural ceremony featured an eminent gathering of dignitaries. Dr. Ajay Sharma, Principal of GGDSD College, delivered the welcome address, introducing the distinguished guests. Radhika Singh attended as Chief Guest, while Dr. Smita Sharma, Associate Professor at Panjab University, was honoured as Guest of Honour. The fest also witnessed the inspiring presence of alumnus Sahil Vedoliyaa.Guided by Ashutosh Sharma and organized under the supervision of Dr. Ruchi Sharma, Convener of the Planning Forum, Econophoria 2026 featured diverse competitions spanning multiple economic themes.

Punjab Kesari 28-2-26

इकोनोफोरिया-2026 बना इंटर-कॉलेजिएट मंच

युवाओं ने पेश की विकसित भारत-2047 की रूपरेखा

कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। (राणा)

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देते स्टूडैंट्स। (राणा)

चंडीगढ़ 27 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से फैस्ट इकोनोफोरिया-2026 का आयोजन किया। कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्यातिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक राधिका सिंह शामिल हुईं। पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफैसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फैस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ. रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फैस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावर प्वाइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम विकसित भारत 2047 की रूपरेखा रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष-2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई।

क्विज़ प्रतियोगिता में छात्रों ने जटिल आर्थिक सिद्धांतों और वित्तीय नीतियों से जुड़े प्रश्नों पर आधारित कई चुनौतीपूर्ण राउंड्स में हिस्सा लिया। इको-तक्षरी एक अनूठा आयोजन रहा, जिसमें अर्थशास्त्र से जुड़े शब्दों की श्रृंखला बनाई गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, दृश्य प्रस्तुति और विश्लेषणात्मक सोच के माध्यम से आर्थिक अवधारणाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। ऐड मैड' प्रतियोगिता की थीम कंज्यूमरिज़्म बनाम मिनिमलिज़्म रही।

अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। आयोजन सचिव डॉ. रुचि शर्मा ने स्वयंसेवकों की मेहनत, शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

इकोनोफ़ोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच, युवाओं ने पेश की विकसित भारत 2047 की रूपरेखा

● एसडी कॉलेज में आयोजित इकोनोफ़ोरिया 2026 में 21 संस्थानों ने की भागीदारी, आर्थिक संवाद को मिला नया मंच

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट ''इकोनोफ़ोरिया 2026' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया।

फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पावरपॉइंट प्रस्तुति प्रतियोगिता की थीम 'विकसित भारत ञ्च2047 की रूपरेखा' रखी गई, जिसके अंतर्गत ट्रेड वॉर और उसका भारत पर प्रभाव, गिग इकोनॉमी, असंगठित क्षेत्र तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे विषय शामिल थे। प्रतिभागी टीमों ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अपने नवाचारी नीति सुझाव और शोध आधारित दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। इक्नॉमिक रिडल्स प्रतियोगिता में छात्रों की समझ और ज्ञान की परख की गई। एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत, गिग इकोनॉमी, एलपीजी सुधार, ट्रेड वॉर जैसे समकालीन आर्थिक विषयों पर तुरंत और विश्लेषणात्मक विचार प्रस्तुत करने की चुनौती दी गई।

इकोनोफ़ोरिया 2026 बना आर्थिक विचारों का इंटर-कॉलेजिएट मंच

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/विज : सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के इक्नॉमिक्स विभाग की ओर से प्लानिंग फोरम के सहयोग से अपने खास फेस्ट इकोनोफ़ोरिया 2026 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंजाब और चंडीगढ़ के 21 शिक्षण संस्थानों से लगभग 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में हुई सहभागिता के चलते यह आयोजन क्षेत्र के प्रमुख इंटर-कॉलेजिएट इक्नॉमिक्स आयोजनों में शामिल हो गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कालेज के प्रिं. डा. अजय शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा निदेशक (डीएचई) राधिका सिंह शामिल हुईं। वहीं , पंजाब यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रो. डा. स्मिता शर्मा विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं।

यह फेस्ट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डा. आशुतोष शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। वहीं, वहीं प्लानिंग फोरम की संयोजक डॉ रुचि शर्मा के कुशल नेतृत्व और देखरेख में इस आयोजन को सफलतापूर्वक साकार रूप दिया गया। फेस्ट के दौरान विभिन्न आर्थिक विषयों पर आधारित कई बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।